

यूपीआई ने बनाया रिकॉर्ड, एक दिन में हुआ 1.02 लाख करोड़ का लेनदेन

नई दिल्ली (आईएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि यूनिकाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 18 अक्टूबर यानी धनतेरस के दिन 1.02 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन हुए हैं और इस दौरान लेनदेन की संख्या 75.4 करोड़ रही है, जो कि एक दिन में लेनदेन का अब तक का सबसे

बड़ा आंकड़ा है। वित्त मंत्री ने कहा कि धनतेरस से दीपावली के तीन दिनों के दौरान यूपीआई पर औसत लेनदेन की संख्या 73.69 करोड़ रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 64.74 करोड़ थी। उन्होंने आगे कहा कि इस साल खुदरा विक्रेताओं के लिए दीपावली धमाकेदार रही है और जीएसटी दरों

में कटौती से खपत में बढ़ोतरी हुई है, जिससे मध्यम वर्ग को इस त्योहारी सीजन में अपने बजट में ही अधिक शॉपिंग करने का मौका मिला है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) के अनुसार, नवरात्रि से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की विक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए

पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई

हैं। कैट की रिसर्च विंग, कैट रिसर्च एंड टेड डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, यह पिछले साल नवरात्रि से दीपावली की अवधि में हुई 4.25 लाख करोड़ रुपए की फेस्टिव सेल्स की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। सर्वेक्षण में बताया गया कि इसमें रिटेल की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत रही है। ऑफलाइन शोप प्लूट 6 पर

मांग को प्रोत्साहित करने में मदद की

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि लैब में तैयार हिरों से लेकर केजुअल बियर और घरों को सजाने वाले उत्पादों तक, बाजार के बड़े और प्रीमियम दोनों सेगमेंट में तेजी आई। वित्त मंत्री ने आगे कहा, इस सुधार ने स्लैब को युक्तिसंगत बनाकर और विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं पर दरें कम करके, परिवारों के लिए ठोस बचत प्रदान की है, जिससे खर्च योग्य आय बढ़ी है और मांग को प्रोत्साहित करने में मदद की है।

खरीदारी में इजाफा

कन्फेक्शनरी, होम डेकोर, जूते-चप्पल, रेडीमेड कपड़े, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसी प्रमुख उपभोक्ता और खुदरा श्रेणियों में जीएसटी दरों में कमी से मूल्य प्रतिस्पर्धा में काफी सुधार हुआ, जिससे खरीदारी में इजाफा हुआ है।

आज बेबाक

निर्दलीय सांसद और मान न मान में तेरा मेहमान की तज्जर पर स्वयंभू काग्रिसेस बल चुके पप्पू यादव अपने पप्पू नाम को सार्थक करते हुए पप्पुगिरी में बड़े-बड़े पप्पुओं को पछाड़ रहे हैं। उन्होंने बयान दिया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की भाजपा बिल्कुल इज्जत नहीं करती और न ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाएंगी। ऐसे में नीतिश कुमार को कांग्रेस में आ जाना चाहिए। जहां उन्हें पूरा सम्मान दिया जाएगा। यह बात वो पप्पू यादव कह रहे हैं जिन्हें राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान धकिया कर उनकी बेइज्जती खराब की गई थी।

छठ: जयपुर से घर लौट रहे यात्रियों की बस पलटी, 22 घायल

कुशीनगर (आईएनएस)। छठ महापर्व के लिए जयपुर से अपने घर लौट रहे यात्रियों के लिए गुरुवार की सुबह भयावह रही। जयपुर से बिहार के मधुबनी जा रही तेज रफ्तार लग्जरी बस कुशीनगर में एनएच28 पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब 22 यात्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह घटना बहादुरपुर पुलिस चौकी के पास चौरसिया मैरिज हॉल के नजदीक हुई, जिससे वहां से गुजर रहे लोगों की भी सांस थम गई। हादसे के समय बस में सवार यात्री चीख-पुकार करने लगे। बस में सवार लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को सुरक्षित निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में स्थानीय लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चीन ने रूसी तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों का किया विरोध

बीजिंग (आईएनएस)। चीन ने गुरुवार को कहा कि वह यूक्रेन-रूस जंग को लेकर अमेरिका द्वारा दो सबसे बड़ी रूसी तेल कंपनियों पर लगाए गए हालिया प्रतिबंधों का विरोध करता है और कहा कि इन प्रतिबंधों का अंतर्राष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है। रूस के एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार, चीन ने कहा है कि वह युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाता है और 2022 में यूक्रेन पर मारको के पूर्ण आक्रमण की निंदा करने से परहेज करता है। बीजिंग में एक दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, चीन लगातार ऐसे एक्तरफा प्रतिबंधों का विरोध करता है जिनका अंतर्राष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है और जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अधिकृत नहीं हैं।

बैंक स्वाते में चार नॉमिनी जोड़ने का मिलेगा विकल्प

नई दिल्ली (वाता)। अगले महीने से बैंक ग्राहक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी का विकल्प चुन सकेंगे। इस सुविधा का मकसद बैंकिंग प्रणाली में दावों के निपटान में एकरूपता और दक्षता सुनिश्चित करना है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में इस फैसले की जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत नामांकन से संबंधित प्रमुख प्रावधान 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगे। बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम 2025 को 15 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था। इसमें पांच कानूनों- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 और बैंकिंग कंपनियों (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और 1980 - में किए गए कुल 19 संशोधन शामिल हैं।

गरमा - गरम



शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरंतर रखे जाने का निर्णय

सीएम यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

सतत् विकास लक्ष्य एसडीजी मूल्यांकन योजना का अनुमोदन

5 जिला चिकित्सालय में विस्तरों की संख्या में उन्नयन एवं 810 नए पद सृजित करने की स्वीकृति

निवर्तन के लिए भूखण्ड का आरक्षित मूल्य कलेक्टर गाइडलाइन के 100 प्रतिशत क्षेत्रफल पर तय किये जाने का निर्णय

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक गुरुवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए सहकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरंतर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। खरीफ 2025 सीजन की ड्यू डेट 28 मार्च, 2026 और रबी 2025-26 सीजन की ड्यू डेट 15 जून 2026 नियत की गयी है।

योजनान्तर्गत खरीफ एवं रबी सीजन की निर्धारित तिथि (ड्यू डेट)



तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) द्वारा 3 लाख रुपये तक के दिये गये अल्पावधि फसल ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जायेगा। राज्य शासन द्वारा सभी किसानों के लिए 1.5 प्रतिशत सामान्य ब्याज अनुदान और निर्धारित ड्यू डेट तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप अतिरिक्त ब्याज अनुदान दिया जायेगा। वर्तमान वर्ष में 23 हजार करोड़ रुपये वितरण के लक्ष्य रखा गया है।

एसडीजी मूल्यांकन योजना का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सतत् विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए -एसडीजी (सतत् विकास लक्ष्य) मूल्यांकन योजना- को आगामी 5 वर्षों (वर्ष 2025-30 तक) के लिए स्वीकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है।

योजना अंतर्गत सतत् विकास के लक्ष्यों का राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर स्थानीयकरण, क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन सुनिश्चित

महागठबंधन का एलान: तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा

पटना (वाता)। बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन ने गुरुवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद के चेहरों का एलान कर दिया। महागठबंधन ने स्पष्ट कहा कि पूरा गठबंधन एकजुट है। बिहार में बदलाव लाने के लिए तैयार है। महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे। वहीं मुकेश सहनी को महागठबंधन ने उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि, सरकार बनने पर अन्य वर्गों से भी उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। सभी दलों ने एक स्वर में कहा कि भारी बहुमत से हमलोग सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं योआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग पिछले साढ़े तीन साल से इस समय का इंतजार कर रहे थे। हमलोगों ने प्रण लिया था कि जब शेष पृष्ठ 6 पर

कार्य पद्धति को बेहतर बनाने के लिए करें नवाचार : सीएम यादव

समाधान ऑनलाइन में मुख्यमंत्री ने लंबित प्रकरणों का समाधान करवाया

समाधान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिलों में रायसेन और दतिया के साथ ही ऊर्जा विभाग अव्वल

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कार्य पद्धति को बेहतर बनाकर नए प्रयोगों और नवाचारों के माध्यम से नागरिकों के कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे करने के प्रयास किए जाएं। सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत जिन जिलों अथवा क्षेत्रों में न्यूनतम शिकायतें होंगी, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में शिकायतें शून्य स्थिति में हैं उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने



कहा कि अपने कार्यों से अधिकारी-कर्मचारी सुशासन स्थापित करें। समाधान ऑनलाइन समीक्षा में प्रकरणों में कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले 3 कर्मियों को निलंबित करने के साथ ही 19 अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5

शासकीय सेवकों की वेतन वृद्धि रोकने, 6 को कारण बताओ नोटिस देने, 7 प्रकरण में अनुशासनात्मक कार्यवाही और एक प्रकरण में दोषी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व शेष पृष्ठ 6 पर

रोहित की मेहनत पर फिर पानी; सीरीज गंवाई

भारत का एडिलेड में 17 साल से चला आ रहा विजयी अभियान थमा

एडिलेड (वाता)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दो विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। गुरुवार एडिलेड में खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए थे। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ भारत का एडिलेड में चला आ रहा विजयी अभियान थम गया। इससे पहले भारत ने 2008 के बाद से इस मैदान पर कोई मैच नहीं हारा था। भारत ने आखिरी बार फरवरी, 2008 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया



के खिलाफ 50 रन से हार झेली थी। 2019 के बाद पहली बार इस मैदान पर भारत एडिलेड में बने दो मैच खेलेने उतरा था। भारतीय गेंदबाजी पर भारी पड़े शॉर्ट और कॉर्नोली: लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 54 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने पारी को संभाला और अर्धशतक लगाने में सफल रहे।

बिहार चुनाव में 4 ‘सी’ फैक्टर...जो गठबंधन रहा हावी, वही जीतेगा बाजी

गठबंधन की एकजुटता बनाम कलह

एनडीए समन्वय के मामले में विपक्ष से आगे दिख रहा है। हालांकि ‘हम’ और रालोमो जैसे छोटे सहयोगियों ने सीट बंटवारे पर नाखुशी जताई थी, लेकिन समझौते के बाद वे संयुक्त रूप से प्रचार कर रहे हैं। दूसरी ओर, विपक्षी गठबंधन सहयोगियों के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए जुझ रहा है। आखिरी समय में वीआईपी और आईआईपी (एक नई पार्टी) जैसे सहयोगियों को शामिल करने के कारण सीटों के बंटवारे में देरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप 11 सीटों पर विपक्षी दलों के एक से अधिक उम्मीदवार खड़े हैं।

पटना/ए। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव कई मायनों में 2020 से अलग है, जब एनडीए ने 125 सीटें और 37.26 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया था, जबकि विपक्षी महागठबंधन को 110 सीटें (37.23 प्रतिशत वोट शेयर) मिली थी। इस बार, नीतीश कुमार की लोकप्रियता में कमी और भाजपा के नए सहयोगियों के साथ प्रयोग (चिराग पासवान की लोजपा-आरवी और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो) के कारण एनडीए एक नया प्रयोग कर रहा है। वहीं, तेजस्वी यादव की युवा अपील,



जातिगत गणित पर गहन फोकस

बिहार चुनाव में हमेशा से जाति सबसे ऊपर रही है, लेकिन इस बार हर पार्टी अपने मूल मतदाताओं को मजबूती से साधने की कोशिश कर रही है। बिहार चुनाव में इस बार 4 सी- कास्ट, कैडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

कुछ लोग सत्ता में रहते हुए सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करते रहे

सिवान/गोपालगंज(आईएनएस)।



बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान को तेज करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को सिवान और गोपालगंज जिले में ताबड़तोड़ जनसभाओं को संबोधित किया। एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित विशाल सभाओं में नीतीश कुमार ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई और विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने जनता से एनडीए को भारी मतों से जिताने की अपील की। सिवान की सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, +2005 से पहले बिहार में अपराध और भय का राज था। लोग शाम को घर से निकलने में डरते थे, लेकिन अब कानून का राज कायम है। कोई अपराधी बच नहीं सकता, व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। 10 लाख सरकारी नौकरियां दे चुके हैं, अब लक्ष्य 400 लाख रोजगार का है। एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। सीएम नीतीश कुमार ने नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, पेंशन राशि 400 से बढ़ाकर 1,100 रुपए, मुफ्त बिजली (125 यूनिट तक) और सोलर ऊर्जा योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने मुस्लिम समुदाय और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए शिक्षा सुधार और वेतनमान बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए कहा, +मुस्लिमों के लिए कब्रिस्तान की घेराबंदी की गई, तो मंदिरों की चारदीवारी भी बनवाई गई है।

समीकरण की पटरी पर चली गहलोत की गाड़ी साथ ही चल दिया कांग्रेस के फायदे वाला दांव

पटना। अंततः महागठबंधन की अंरूनी बैठक में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जो लगातार सीएम फेस के खुलासे की बात कर रहे थे, उन्होंने अपनी ज़िद पास करवा ली थी। कांग्रेस बिहार चुनाव 2025 के एकदम मुहाने पर इस बात पर न केवल तैयार हुई बल्कि कांग्रेस के विशेष दूत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तेजस्वी यादव के सीएम चेहरे का ऐलान भी कर दिया। कांग्रेस ने खुद ही तय कर दिया कि बिहार में चुनाव राहुल गांधी नहीं बल्कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा। आखिर अंतिम पलों में इस घोषणा के पीछे की राजनीति क्या है? जानते हैं महागठबंधन



किस समीकरण को साधना चाहता है। बिहार में डैमेज कंट्रोल करने को आए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साफकह दिया कि तेजस्वी यादव हमारे सीएम के चेहरे होंगे और मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री। वे यहीं नहीं रुके बल्कि उप मुख्यमंत्री के नाम को ले कर तो वह भी करीब 18 प्रतिशत। यानी कुल 62 प्रतिशत के लिए महागठबंधन ने ये किलेबंदी करने की कोशिश की है।

पीएम मोदी के मन में बिहार बसता है, छठ को दिलाया वैश्विक सम्मान

भारत ग ल प उ र (आईएनएस)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार राज्य का महापर्व छठ अब वैश्विक पहचान हासिल कर चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर्व को यूनेस्को के पटल पर रखा, जो यह दर्शाता है कि बिहार पीएम मोदी के दिल में बसता है। झारखंड के गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को बिहार के भागलपुर का दौरा

किया। उन्होंने आईएनएस से बातचीत में कहा कि छठ सिर्फ बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली या मुंबई तक सीमित नहीं है, बल्कि अब इसे मॉरीशस, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और अमेरिका जैसे देशों में भी मनाया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री मोदी के बिहार के प्रति प्रेम और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रचार को दर्शाता है। उन्होंने कहा, +21 जून को विश्व योग दिवस की शुरुआत भी पीएम नरेंद्र मोदी जी की पहल पर शुरू हुई।

नीतीश पर निर्भरता, नेतृत्व का भी संकट, भाजपा के लिए आज भी अमेघ दुर्ग है बिहार

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। दो चरणों में चुनाव संपन्न होंगे। इस चुनाव में भाजपा और जेडीयू नीत गठबंधन एनडीए का आरजेडी-कांग्रेस नीत महागठबंधन से मुकाबला है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पार्टी जन सुराज ने इस लड़ाई को तुकोणीय बनाने की कोशिश की है। एनडीए की बात करें तो इसका नेतृत्व इस चुनाव में भी नीतीश कुमार ही कर रहे हैं। भाजपा की निर्भरता अभी भी जेडीयू के मुखिया पर बनी हुई है। बिहार के सियासी इतिहास पर



नजर डालें तो 1990 तक राज्य में कांग्रेस का वर्चस्व रहा। बीच में केवल दो छोटे अंतराल को छोड़कर। यही कारण है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा अब तक बिहार में पूरे राज्य में व्यापक जनसमर्थन नहीं बना सकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल और पड़ोसी उत्तर प्रदेश में 2017 से भाजपा सरकार होने के बावजूद बिहार भाजपा के लिए अब भी एक ‘अभेद्य दुर्ग’ बना हुआ है।

इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए राजनीतिक विश्लेषक प्रेम कुमार मणि कहते हैं, "बिहार में कम्युनिस्ट, समाजवादी और जनसंघ/भाजपा का उदय कांग्रेस के प्रभुत्व वाले दौर में एक साथ हुआ। फिर भी भाजपा 'संपूर्ण बिहार' की पार्टी नहीं बन सकी। नीतीश कुमार पर 20 वर्षों से निर्भर रहना इस बात का सबूत है।"

उन्होंने बताया कि शाहबाद और मगध (औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, अरवल) जैसे क्षेत्र समाजवादी और वामपंथी आंदोलनों के केंद्र रहे हैं। भाजपा की 2020 विधानसभा चुनाव में यहां की 21 सीटों में सिर्फ दो पर जीत और पिछले लोकसभा चुनाव

साझेदारी की जरूरत बनी हुई है।+ 1950 के दशक में भारतीय जनसंघ ने 1952 और 1957 के चुनावों में एक भी सीट नहीं जीती थी। पहली सफलता 1962 में मिली, जब उसने तीन सीटें सिवान, मुंगेर और नवादा जीतीं। 1967 में कांग्रेस विरोधी लहर के दौरान समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया और आरएसएस प्रमुख एम. एस. गोलवलकर की समझदारी से संयुक्त विधायक दल सरकार बनी। इसमें जनसंघ को 26 सीटें मिलीं और तीन मंत्री रामदेव महतो, विजय कुमार मित्रा और रुद्र प्रताप सारंगी बने।

एक वोट हटवाने की कीमत 80 रुपए’ एसआईटी जांच में खुलासा

छह सदिश्यों पर कसा शिकंजा,छापेमारी और सबूतों की बरामदगी



बंगलूरु। कर्नाटक के कालाबुरगी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र में हुए ‘वोट चोरी’ कांड की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने पाया है कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची से वोट डिलीट करने की साजिश रची गई थी। जांच में सामने आया कि प्रत्येक हटाए गए वोट के लिए सदिश्यों को ?80 का भुगतान किया गया था। अब एसआईटी ने इस घोटाले में छह लोगों को मुख्य सदिश मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े कांग्रेस समर्थक थे।

इसी के बाद कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, जिसकी जिम्मेदारी सीआईडी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस बीके सिंह को सौंपी गई। एसआईटी ने अब तक करीब 30 लोगों से पूछताछ की है, जिसमें से पांच से छह लोगों को मुख्य आरोपी के रूप में चिन्हित किया गया है। एसआईटी ने सदिश्यों से जुड़े डेटा सेंटरों पर छापेमारी की, जहां वोट डिलीट करने के लिए ‘वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल’ तकनीक का इस्तेमाल किया गया था।

राजद का मतलब ही ‘रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी’ : नड्डा



औरंगाबाद (आईएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अब प्रचार अभियान तेज होता जा रहा है। एनडीए के पक्ष में गुरुवार को चुनाव प्रचार के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजित प्रकाश नड्डा भी उतर गए। उन्होंने औरंगाबाद के गोह में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राजद शासनकाल को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजद अध्यक्ष लालू यादव और तेजस्वी यादव ने अपने कुशासन के बारे में एक शब्द नहीं बोला है और न ही अपने गुंडराज को लेकर आज तक जनता से माफ़ी मांगी।

उन्होंने राजद द्वारा बाहुबली पूर्व सांसद शहबुद्दीन के बेटे को टिकट देते को लेकर कहा कि यह साफ बताता है कि ये बिहार में गुंडराज लाना चाहते हैं। राजद का मतलब ही रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी है। राजद का मतलब विनाश है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए की सरकार बनाने का मन बना लिया है। इस चुनाव में साफदिख रहा है

कि विकास एनडीए के साथ और विनाश राजद के साथ। आज बिहार प्रगति के रास्ते पर तीव्र गति से चल पड़ा है। एनडीए सरकार में सड़क हो, रेल हो, बिजली हो, हर क्षेत्र में, हर दृष्टि से विकास को पटरी पर लाते सबने देखा है। पिछले 10 सालों में बिहार के लिए रेल का बजट 10 गुना बढ़ा दिया गया है। 26 वें भारत ट्रेन दिवस बिहार से चलती है। इसी तरह अमृत भारत ट्रेन से लेकर रेलवे स्टेशन के निर्माण, पुनर्निर्माण तक, यहां बहुत काम हुआ है। इसी तरह दीर्घवाली और छठ पर्व को लेकर पीएम मोदी के आशीर्वाद से भारत सरकार द्वारा 12 हजार ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

न्यूज गैलरी

राज्य स्तरीय कला उत्सव 24 अक्टूबर से भोपाल में प्रदेश के विभिन्न अंचलों के विद्यार्थी स्थानीय संस्कृति एवं लोक कलाओं का करेंगे प्रदर्शन

भोपाल/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा विभाग का दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव शुक्रवार 24 अक्टूबर से प्रातः 10 बजे भोपाल में शुरू होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल के विद्यार्थियों को अपनी कला, संस्कृति और विरासत को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम कलियासोत, कोलार रोड के मध्यप्रदेश भूमि एवं जल प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) में आयोजित होगा। दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से स्कूल के लगभग 250 विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देंगे। इन विद्यार्थियों का चयन 9 संभागों में विद्यार्थियों द्वारा श्रेष्ठ प्रस्तुति के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हुआ है। उत्सव में मालवी एवं बुंदेली लोक गीत, बरेदी बधाई, धीमी राय, गौर नृत्य के साथ अंचल से जुड़ी लोक नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी जायेंगी। विद्यार्थी नाटक एवं कहानी कथा पर आधारित वाचन प्रस्तुत करेंगे। कला उत्सव की विशेषता रानी दुर्गावती एवं रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित लघु नाटिकाएँ रहेंगी। कला उत्सव में वादन की श्रेणी में विद्यार्थी बाँसुरी, सितार, तबला, टिमकी, ढोलक और तुरा जैसे पारम्परिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से संगीत की अद्भुत प्रस्तुतियाँ देंगे। मध्यप्रदेश की धरती सदैव कला की जननी रही है। भीमबेटका और इसकी गुफाएँ प्राचीन चित्रकला की साक्षी हैं। उत्सव में विद्यार्थी पिथौरा, गोंड कला एवं मालवा पेंटिंग पर आधारित अपनी चित्रकृतियाँ प्रदर्शित करेंगे। मूर्तिकला, चित्रकला तथा स्थानीय खेल और खिलाैनों पर आधारित प्रतियोगिताएँ भी इस उत्सव का विशेष आकर्षण रहेंगी। राज्य स्तरीय कला उत्सव-2025 का समापन 25 अक्टूबर को होगा। उद्घाटन सत्र में स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद मौजूद रहेंगे।

रीवा एयरपोर्ट के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए शीघ्र बनायें प्रस्ताव : उप मुख्यमंत्री शुक्ल



विंध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र रीवा

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि विंध्य क्षेत्र में विकास की गति तेज हुई है और औद्योगिक विस्तार निरंतर गति पकड़ रहा है। रीवा एयरपोर्ट का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण समय की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि रीवा एयरपोर्ट के रनवे को बड़ा करने और आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाये। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ नियमित सामंजस्य बनाकर कार्यवाही को गति दी जाये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि रीवा एयरपोर्ट वर्तमान में एटीआर-72 विमान के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त है और नाइट लैंडिंग की सुविधा से युक्त है। उन्होंने कहा कि हवाई सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए एयरपोर्ट के रनवे विस्तार और सुविधाओं के उन्नयन की दिशा में त्वरित कदम उठाए जाना आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि नई एविशन नीति के अंतर्गत रीवा एयरपोर्ट के लिए दो एयरलाइन मार्गों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिन्हें शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध में उन्होंने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए ताकि रीवा की हवाई सेवाओं के विस्तार में विलंब न हो।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट के सुदृढ़ीकरण से विंध्य क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी सशक्त होगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव (एविएशन) श्री संजय कुमार शुक्ला, आयुक्त (एविएशन) श्री चंद्रमौली शुक्ला, उप सचिव (एविएशन) श्री कैलाश बुंदेला और निदेशक, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया भोपाल श्री रामजी अवस्थी उपस्थित थे।

भोपाल में कार्बाइड गन बेचते युवक गिरफ्तार : 42 गन, 29 लाइटर और 1.5 किलो कैल्शियम जब्त

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल की बागसेवनिया पुलिस ने बुधवार को सड़क किनारे कार्बाइड गन बेचने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 42 कार्बाइड गन, 29 लाइटर और 1.5 किलो कैल्शियम जब्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया है। इस गन के कारण लगातार शहर में हादसे हो रहे हैं और लोग गंभीर रूप से झुलस रहे हैं। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने शहर के सभी थानों के प्रभाियों को कार्बाइड गन बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निदेश दिए हैं। एएसआई मनोज शर्मा के मुताबिक, पुलिस टीम पटाखे बेचने वालों की चौकेंग कर रही थी तभी प्रधान मंडरा गाईन के सामने से एक युवक पटाखा बेचते हुए दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर बचने की कोशिश कर रहा था। संदेह के आधार पर पुलिस ने जब चौकेंग की तो उसके पास रखे बोरे में रखी करीब 42 कार्बाइड गन मिली। इसके अलावा गन को जलाने वाले 29 लाइटर और डेढ़ किलो कैल्शियम मिला। जिसे गन में भरकर उसे जलाया जाता है।

भोपाल की पिपलानी पुलिस पर फिर लगे गंभीर आरोप

एक्सीडेंट में शेफ की मौत हो गई, परिजन बोले तीन दिन तक हमें नहीं बताया

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल की पिपलानी पुलिस पर इंजीनियर उदित गायकी की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के बाद एक बार फिर गंभीर आरोप लगे हैं। दरअसल 19 अक्टूबर को सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। उसकी लाश को पुलिस ने अज्ञात मानकर गांधी मेडिकल कॉलेज की मचुंरी में रखवा दिया था। गुरुवार को शिनाखा होने के बाद शव का पीएम कराया गया। वहीं मृतक के परिजनों का आरोप कि जिस स्कूटी पर सवार रहते एक्सीडेंट हुआ, वह उसी एड्रेस पर रजिस्टर्ड है, जहां अभी हम रहते हैं। इसी के साथ गाड़ी में ही मृतक का मोबाइल फोन और पहचान पत्र भी रखा था, लेकिन पुलिस ने इसकी तलाशी ही नहीं ली। पुलिस की इस लापरवाही के कारण बांडी सड़ने लगी है।

दो वाहनों की आमने-सामने से हुई भिड़ंत

जानकारी के मुताबिक राम बहादुर (55) पिता चमन बहादुर झील नगर थाना अयोध्या नगर क्षेत्र में रहते थे। वे रत्नागिरी में एक रेस्टोरेंट में बतौर शेफ जॉब करते थे। उनके भाई नीमकांत बहादुर ने बताया कि 19-20 अक्टूबर की दरमियानी रात रेस्टोरेंट के बंद होने के बाद स्कूटी पर सवार होकर रात करीब डेढ़ बजे घर आ रहे थे। तभी रत्नागिरी में उन्हें अन्य दो पहिया वाहन के चालक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल भाई की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि एम्बुलेंस से भाई को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने भी चेक करने

के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया था। इसी स्कूटी की डिक्री में मोबाइल, आधार कार्ड रखा था। चाबी भी पुलिस के पास थी, लेकिन पुलिस का तर्क है कि गाड़ी की डिक्री को चेक नहीं किया। तीन दिन बाद जब हमें राम बहादुर की मौत की सूचना दी, तब भी मोबाइल फोन ऑन था, गाड़ी थाना परिसर में खड़ी थी।

परिवार सहित अन्य कई लोगों के मिस्ड कॉल मोबाइल में मिले हैं, लेकिन पुलिस को इसकी रिग सुनाई नहीं दी। जबकि मोबाइल रिंग पर था। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन में हमारा एड्रेस है, लेकिन पुलिस ने कोई प्रयास नहीं किया कि हम तक समय पर सूचना पहुंचे। कम से कम समय पर सूचना मिलती तो पोस्ट मार्टम भी समय पर होता, लाश और अधिक खराब होने से तो बच जाती।

गुमशुदगी दर्ज कराने जा रहे तब मौत की सूचना मिली

मृतक के बेटे सतीश ने बताया कि पिता जिस रेस्टोरेंट में काम करते थे वह रात को देरी से बंद होता है। अकसर रात अधिक होने के कारण पिता वहीं सो जाया करते थे। 19 अक्टूबर को वे घर के लिए निकले जरूर, लेकिन आए नहीं।

हमने कॉल किए तो उन्होंने नहीं उठाया, लेकिन हमें इत्मिनान था कि पिता रेस्टोरेंट में ही सो गए होंगे। अगले दिन दिवाली थी, त्योहार के कारण परिवार इसी में व्यस्त रहा। त्योहारों पर रेस्टोरेंट में अधिक ग्राहकी होती तो पिता अकसर घर नहीं आते थे। दिवाली के अगले दिन रात के समय पिता को कॉल किया, लेकिन बात नहीं हो सकी। तब भी लगा पिता व्यस्त होंगे।

राष्ट्रीय बालरंग भोपाल में 5 दिसम्बर को

व्यवस्थाओं को लेकर हुई बैठक

लोक कलाओं से परिचित हो सकेंगे।

भोपाल/नवप्रदेश।

भोपाल में राष्ट्रीय बालरंग-2025 इस वर्ष 5 दिसम्बर को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर, रयामला हिल्स, भोपाल में आयोजित होगा। आयोजन की व्यवस्था एवं तैयारियों को लेकर संचालक श्री डी.एस. कुशवाह की अध्यक्षता में गुरुवार को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल में बैठक हुई।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बालरंग में 20 से अधिक राज्यों के स्कूल बालरंग में हो रहा है। बैठक में विद्यार्थियों के आवास, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गयी। विभिन्न राज्यों से आये विद्यार्थियों को भोपाल के नजदीक पुरातत्व धरोहर भोजपुर, भीमबेटका और साँची का भ्रमण भी भारत-श्रेष्ठ भारत की थीम पर राज्यों की



बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बालरंग का आयोजन वर्ष 2005 से निरंतर बालरंग में 20 से अधिक राज्यों के स्कूल बालरंग में हो रहा है। बैठक में विद्यार्थियों के आवास, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गयी। विभिन्न राज्यों से आये विद्यार्थियों को भोपाल के नजदीक पुरातत्व धरोहर भोजपुर, भीमबेटका और साँची का भ्रमण भी कराया जायेगा।

एफआईआर से नाराज नायक का शिवराज पर हमला

बेटे की शादी के चार रिसेप्शन दिए, चार मकानों में रह रहे, यह दिखावा नहीं तो क्या

भोपाल/नवप्रदेश।

मप्र कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर व्यक्तिगत हमला करते कहा है कि शिवराज ने बेटे की शादी के चार रिसेप्शन किए। जम्बूरी मैदान में 15 हजार लोग आए। एक रिसेप्शन और कहीं रखा तो 10 हजार लोग आए। एक रिसेप्शन गांव में रखा जिसमें 20 हजार लोग आए। एक रिसेप्शन दिल्ली में रखा जिसमें पांच हजार लोग आए। शिवराज पर हमला बोलते हुए नायक ने कहा कि वे चार-चार मकानों में रहते हैं, ये दिखावा नहीं है तो क्या है?

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी में हुए भारी-भरकम खर्च और हेलीकॉप्टर से कुदाल लेकर उतरने को दिखावा बताया। मुकेश नायक ने जीतू पटवारी का उदाहरण देते हुए कहा कि वे किसानों की पौछा को समझते हैं और 50 किलो की बोरी कंधे पर लेकर 2 किलोमीटर पैदल चलकर गए, जिसका उपहास करना शिवराज सिंह की संवेदनहीनता को दर्शाता है। नायक ने कहा कि किसानों को लेकर गए जीतू पटवारी का पूर्व सीएम



शिवराज ने उपहास किया और एफआईआर दर्ज करा दी।

मप्र कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने पत्रकारों से कहा कि किसानों और आम जनता की निराशाजनक दिवाली के लिए राज्य सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं। इस बार भारत में दिवाली -निराशाजनक और नीरस- रही, जिसमें केवल 20ब लोगों ने दिवाली मनाई, वहीं 80 प्रतिशत लोग केवल इसके दर्शन लायक ने कहा कि किसानों को लेकर नायक ने कहा कि लोग 180

प्रति लीटर की दर से सोयाबीन तेल खरीदने में असमर्थ रहे जिसके कारण कई परिवार राजगीर के लड्डुओं के सहारे दीवाली मनाने को मजबूर हुए। उन्होंने फसल खराब होने और राहत न मिलने को इस स्थिति का प्रमुख कारण बताया।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कृषि को लाभकारी धंधा बनाए का वादा किया था। नायक ने कहा कि कृषि उपकरणों और डीजल की बढ़ती



शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त, मेडिकल कॉलेज के डीन व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि भोपाल निवासी मनोहर सिंह ने पूर्व में एक याचिका दायर की थी। याचिका में नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए थे। मामले पर सुनवाई के बाद एकलपीठ ने सभी नियुक्तियां

निरस्त कर तत्कालीन डीन पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। एकलपीठ ने दोबारा मेरिट लिस्ट बनाकर नए सिरे से साक्षात्कार करने और नियुक्तियां करने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में कॉलेज प्रबंधन ने 24 अक्टूबर को साक्षात्कार आयोजित किया है।

जवाब पेश करने के

प्रदेश में 45 रोड सेफ्टी एण्ड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट से निगरानी

नागरिकों को फेसलेस सुविधा

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश में वाहन चेकिंग की पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा सुरासन के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त परिवहन चेकपोस्टों को बंद कर दिया गया है। इनके स्थान पर परिवहन विभाग ने 45 +रोड सेफ्टी एण्ड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट+ प्रारम्भ कर दिए हैं। इन पर पदस्थ प्रवर्तन बल द्वारा बाँडीवोन कैमरों की निगरानी में पीओएस मशीन के माध्यम से वाहनों के विरुद्ध ऑनलाइन चालानी कार्यवाही की जा रही है। +इज ऑफ ड्रुग बिजनेस+ के अंतर्गत इन प्वाइंट पर द्वारा अहम निर्णय लेते हुए प्रदेश में प्रवेश करने वाले अन्य राज्यों के वाहनों द्वारा ई-चेकपोस्ट मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन मोटरयान कर जमा करने की सुविधा दी गई है। परिवहन विभाग ने इस वर्ष 5 हजार 693 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष 2024-25 में परिवहन विभाग ने करीब 4 हजार 875 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण किया था। यह राजस्व वर्ष 2023-24 के मुकाबले 5.83 प्रतिशत अधिक रहा है।

परिवहन विभाग की प्रक्रिया को सरल बनाने तथा आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट तथा ड्राइविंग लाइसेंस आदि से संबंधित अधिकतर सेवाओं को एनआईसी

निर्देश दिए

एकलपीठ के आदेश के खिलाफ विदिशा निवासी रवींद्र कुशवाहा और महेंद्र सोनी व अन्य ने अपील प्रस्तुत की थी। अपीलार्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संधी ने दलील दी कि उनके मुबकिक्तों के पास पूर्ण योग्यताएँ हैं और वे पिछले छह वर्षों से कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति निरस्त करना अनुचित है।

उन्होंने कहा कि यदि एकलपीठ के आदेश पर रोक नहीं लगाई गई तो आगामी 24 अक्टूबर को नई नियुक्तियां कर दी जाएंगी।

युगलपीठ ने अपील की सुनवाई के पश्चात एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं।

के पोर्टल +वाहन+ तथा +सारथी+ के माध्यम से फेसलेस प्रदान किया जाना प्रारम्भ किया गया है, जिसमें आवेदक को कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होती। आमजन को परिवहन विभाग की सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहायता करने के लिए सीएससी सेंटर्स के अतिरिक्त एमपी ऑनलाइन सेंटर्स को भी राज्य सरकार द्वारा सुविधा केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। आम जनता की सुविधा के लिये वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस डिजिटल रूप से रख सकने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा आवेदकों को ड्राइविंग लाईसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र इलेक्ट्रानिक रूप में जारी किया जाना प्रारंभ किया गया है। सड़क दुर्घटना में घायलों के त्वरित उपचार के लिये +सड़क दुर्घटना पीडितों का नगदी रहित उपचार स्कीम-2025+ सुचारु रूप से क्रियान्वित की गई है, जिसके तहत पीड़ित ऐसी दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिये किसी भी नाम निर्दिष्ट अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख पचास हजार रूपये तक की रकम के नकदी रहित उपचार करा सकता है। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को गोल्डन आवर के अंदर अस्पताल तक में जाकर उनकी सहायता करने वाले राह-वहों को प्रोत्साहन स्वरूप

न्यूज गैलरी

जिले में 1.59 लाख किसानों की हुई फार्मर रजिस्ट्री

जबलपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, समर्थन मूल्य पर फसलों के उपार्जन एवं अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ लेने के लिए पड़ने वाली जरूरत को देखते हुए जबलपुर जिले में अभी तक 1 लाख 58 हजार 797 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यह लक्ष्य का 96.08 प्रतिशत है। जिले में 1 लाख 65 हजार 270 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करने का लक्ष्य है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को शेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये हैं। अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करने में पनागर तहसील जिले में पहले स्थान पर बना हुआ है। पनागर तहसील में अभी तक लक्ष्य के विरुद्ध 104 फीसदी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की जा चुकी है। पनागर तहसील में 14 हजार 783 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा गया था, इसके विरुद्ध इस तहसील में अभी तक 15 हजार 409 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की जा चुकी है। जबलपुर तहसील 98.96 फीसदी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के साथ दूसरे और गोरखपुर तहसील 97.10 फीसदी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के साथ जिले में तीसरे स्थान पर है। जिले की जबलपुर तहसील में 19 हजार 492 किसानों में से अभी तक 19 हजार 289, गोरखपुर तहसील में 552 किसानों में से 536, कुंडम तहसील में 21 हजार 299 किसानों में से 20 हजार 576, सिहोरा तहसील में 25 हजार 744 किसानों में से 24 हजार 647, पाटन तहसील में 26 हजार 799 किसानों में से 25 हजार 432, मण्डौली तहसील में 28 हजार 833 किसानों में से 27 हजार 272, शहपुरा तहसील में 26 हजार 891 किसानों में से 25 हजार 204, रौंड़ी तहसील में 355 किसानों में से 265 तथा आधारताल तहसील में 522 किसानों में से 167 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है। फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत प्रत्येक कृषक भूमिस्वामी को एक यूनिक आईडी जनरेट कर प्रदान की जा रही है ताकि कृषकों को आसानी से केसीसी त्रया कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हो सके और हितग्राहीमूलक योजनाओं हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से सत्यापन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। फार्मर रजिस्ट्री या फार्मर आईडी से किसानों को भविष्य में पंजम किसान निधि एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में भी आसानी होगी। किसान घर बैठे अपने मोबाइल पर फार्मर सहायक एमपी एप डाउनलोड कर फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। मोबाइल एप के अलावा किसान पटवारी अथवा उनके गांव में नियुक्त सर्वेयर सहायक से भी फार्मर रजिस्ट्री करा सकेगे। एमपी ऑनलाइन किर्यांक या क्रॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी निर्धारित शुल्क चुकाकर किसान फार्मर रजिस्ट्री करा सकेगे।

नरवाई जलाने से पहुंचता है पर्यावरण को गंभीर नुकसान

जिले में नरवाई/पराली जलाना प्रतिबधित, आदेशों का उल्लंघन करते पाए जाने पर होगी वैधानिक कार्यवाही किसान भाई विभिन्न आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर फसल अवशेषों का करे स्मार्ट प्रबंधन

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों को नरवाई/पराली (फसल अवशेष) जलाने के दुष्प्रभावों एवं उसके वैकल्पिक वैज्ञानिक प्रबंधन के उपायों की जानकारी देने के लिए सतत रूप से जागरूक किया जा रहा है। नरवाई जलाने की प्रक्रिया न केवल भूमि की उर्वरता को नष्ट करती है बल्कि पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य तथा जलवायु पर भी गंभीर प्रभाव डालती है। कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि फसल कटाई के बाद खेतों में बची नरवाई जलाने से मिट्टी में पाए जाने वाले लाभकारी सूक्ष्मजीव एवं परजीवी नष्ट हो जाते हैं। इससे मिट्टी की जैविक संरचना, नमी और उर्वरता कम होती है। नरवाई जलाने से वातावरण में कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं, जो वायु प्रदूषण बढ़ाती हैं और श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनती हैं। इसके अतिरिक्त, नरवाई जलाने से मिट्टी की उपरी सतह कठोर हो जाती है, जिससे अगली फसल की बुवाई में कठिनाई आती है तथा सिंचाई के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (ह्रबक्ष) द्वारा नरवाई जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। किसी भी किसान द्वारा फसल अवशेष जलाना पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत दंडनीय अपराध है। नरवाई/पराली जलाने के मामलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत एफआईआर भी दर्ज की जा सकती है। जिले में भी नरवाई/पराली जलाना प्रतिबंधित किया गया है, एवं ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्राप्त नहीं होगा।

औषधि गुणवत्ता मॉनिटरिंग संरचना होगी सुदृढ़

टेरिंटिंग क्षमता चार गुना बढ़ाने के उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिए निर्देश

चिकित्सकीय अमले की शीघ्र नियुक्ति के निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश।। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र का सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। अधोसंरचना विकास, टेरिंटिंग लैब के लिए अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता तथा पर्याप्त मैनपावर सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टेस्टिंग क्षमता को चार गुना बढ़ाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री



स्वास्थ्य संस्थाओं में पहुंचकर सीएमएचओ ने देखी लक्ष्य और एनकॉस मूल्यांकन की तैयारियां

27 से 29 अक्टूबर तक स्वास्थ्य संस्थाओं का नेशनल लेवल एसेसमेंट किया जा रहा

भोपाल/नवप्रदेश। जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में अक्टूबर माह में होने जा रहे लक्ष्य कार्यक्रम और नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफिकेशन की तैयारी की जा रही है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा द्वारा जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण किया गया,जिसमें ओपीडी, लेबर रूम,आईपीडी, पैथोलॉजी लैब, फार्मसी इत्यादि विभागों की सेवाओं को परखा गया था। 27 से 29 अक्टूबर तक स्वास्थ्य संस्थाओं का नेशनल लेवल एसेसमेंट किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर भौरी और इमलिया में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत असेसमेंट किया जाएगा। जबकि सिविल हॉस्पिटल बैरागढ़ में लक्ष्य कार्यक्रम के तहत मैटरनिटी ओटी की सेवाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। इस अस्पताल को पूर्व में लेबर रूम के लिए लक्ष्य



प्रमाणीकरण मिल चुका है। लक्ष्य संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित स्वास्थ्य प्रमाणीकरण गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये दिया जाता है।

गुरूवार को सिविल अस्पताल बैरागढ़ पहुंच कर डॉ. मनीष शर्मा ने लेबर रूम में इन्फेक्शन कंट्रोल, स्टाफ की उपलब्धता, प्रशिक्षण, रिकॉर्ड संधारण, मरीजों के अधिकार, दस्तावेजों की गोपनीयता, उपकरण एवं संसाधनों की उपलब्धता, इमरजेंसी दवाएं, स्वच्छता इत्यादि का बारीकी से निरीक्षण किया गया। साथ ही उपकरणों, इमरजेंसी प्रोटोकॉल , स्टाफ की क्लिनिकल जानकारी, सर्विस प्रोविजन, हाउसकीपिंग, किचन, लॉन्ड्री, मशीनों की स्थिति, मरीजों की काउंसलिंग, रेफरल सिस्टम, दवाइयों, एएनसी प्रोटोकॉल, पोस्ट नेटल केयर, स्नानपान, कंगारू मदर केयर सेवाओं का मूल्यांकन किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर भौरी और इमलिया में किए गए निरीक्षण के दौरान नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के

प्रावधानों के अनुसार रिकॉर्ड्स, सर्विस प्रोविजन, मरीजों के अधिकार, इनपुट्स, सपोर्ट सर्विसेज, क्लीनिकल देखभाल, इनफेक्शन कंट्रोल, क्वालिटी मैनेजमेंट एवं आउटकम की जानकारी ली गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने बताया कि अब तक भोपाल की 38 स्वास्थ्य संस्थाओं का प्रमाणीकरण नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड में हो चुका है। जिनमें जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शहरी स्वास्थ्य संस्थाएं एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं। 4 स्वास्थ्य संस्थाओं को लक्ष्य प्रमाणीकरण मिला है। यह प्रमाणीकरण स्वास्थ्य संस्थाओं की गुणवत्ता के लिए दिए जाते हैं।

भावांतर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए राजस्व एवं कृषि अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें- कलेक्टर बालागुरू

निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक की बिक्री पर करें कड़ी कार्रवाई- कलेक्टर कलेक्टर ने ली वीडियो कांफ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक

सीहोर/ नवप्रदेश। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के समस्त राजस्व अधिकारी, कृषि एवं संबंधित अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में कलेक्टर ने फसल क्षति पर राहत राशि का समय-सीमा में वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को शासन की मंशानुसार शीघ्र राहत मिले, इसके लिए सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र



में निगरानी रखें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। बैठक में कलेक्टर ने फसल कटाई प्रयोग, सोयाबीन फसल के उत्पादन पर सतर्क निगरानी रखने तथा भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत सोयाबीन फसल का 'स्मार्ट सत्यापन' सुनिश्चित करने के निर्देश भी

दिए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों को फसल क्षति का लाभ दिया गया है, उनकी जानकारी को भावांतर योजना से समन्वित किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक सटीक रूप से पहुँच सके। उन्होंने कहा कि भावान्तर योजना का सभी पात्र किसानों को लाभ मिले इसके लिये राजस्व एवं कृषि अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। इसके साथ ही कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में किसी भी प्राइवेट लाइसेंसधारी द्वारा फर्टिलाइजर को अधिक दाम पर नहीं बेचा जाना चाहिए। यदि कोई व्यापारी निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर

उर्वरक की बिक्री करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कंट्रोल ऑर्डर के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा शासन की प्राथमिकता है, इसलिए उर्वरकों की उपलब्धता और गुणवत्ता दोनों पर प्रशासन की कड़ी निगरानी रहेगी। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और किसानों को समय पर लाभ मिलना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, डिप्टी कलेक्टर जमील खान, श्रीमती स्वाती मिश्रा उपस्थित थे। बैठक में सभी अनुभागों के राजस्व, कृषि एवं संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के मामले में कटनी 3 अग्रणी जिलों में शामिल पुलिस

जिला पंचायत और नगर निगम ने भी हासिल किया ए ग्रेड

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के मामले में कटनी 3 अग्रणी जिलों में शामिल पुलिस, जिला पंचायत और नगर निगम ने भी हासिल किया ए ग्रेड

कटनी/नवप्रदेश। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण के मामले में प्रदेश के 28 जिलों के प्रथम समूह में कटनी जिला प्रदेश के 3 अग्रणी जिलों में शामिल हो गया है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के नियमित अनुश्रवण और पर्यवेक्षण की वजह से कटनी जिले ने प्रथम समूह के 28 जिलों में तृतीय स्थान अर्जित किया है। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के जिलों की सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों के निराकरण के आधार पर जारी की गई ग्रेडिंग में कटनी जिले ने 83.29 वेटेज स्कोर के साथ 'ए' ग्रेड



हासिल कर तृतीय स्थान अर्जित किया है।अग्रणी जिलों में शामिल कटनी जिला प्रथम समूह के 28 जिलों में तीसरे स्थान पर रहा है। कलेक्टर श्री तिवारी ने विभागों के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में

और अधिक संवेदनशीलता के साथ परिणामोन्मुखी प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। जिले में बीते सितंबर माह में प्राप्त कुल 9 हजार 139 शिकायतों में से 83.29 वेटेज स्कोर के साथ जिले ने ए ग्रेड हासिल कर 49.57 वेटेज स्कोर के साथ

शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर के द्वारा सीएम हेल्पलाइन की निरंतर समीक्षा के परिणामस्वरूप कटनी जिला पिछले 1 वर्ष से लगातार प्रदेश के 5 अग्रणी जिलों में शामिल है।कलेक्टर ने दी शाबाशीइस उपलब्धि पर कलेक्टर श्री तिवारी ने जिला प्रशासन के अमले को शिकायतों के निराकरण के प्रति और अधिक संवेदनशीलता बरतने के निर्देश देते हुये भविष्य में और भी जोश और जज्बे के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टडटर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रशासन में शुचिता, पारदर्शिता तथा सुशासन का बेहतर माध्यम होने के साथ ही आमजन की समस्याओं के निराकरण का भी

अच्छ माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारा सदैव यह प्रयास होना चाहिए कि लोगों की शिकायतों और समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण कर उन्हें सहूलियत दी जाए। शिकायतों के त्वरित और संतुष्टिपूर्ण निराकरण से आमजन का प्रशासन पर

भरोसा बड़ता है।पुलिस ,नगर निगम और जिला पंचायत ने भी हासिल किया ए ग्रेड कलेक्टर श्री तिवारी के मार्गदर्शन में सीएम हेल्पलाइन की संतुष्टिपूर्ण शिकायतों के निपटारे के मामले में कटनी जिले के पुलिस विभाग को 15वां स्थान मिला है। पुलिस विभाग ने सितंबर माह में 930 शिकायतों में से 50 वेटेज स्कोर के साथ संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर ए ग्रेड हासिल किया। जबकि सीएम हेल्पलाइन की संतुष्टिपूर्ण शिकायतों के निपटारे के मामले में जिला पंचायत को 12वां स्थान मिला है। जिला पंचायत अपने समूह में 48.5 वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड में तथा नगर निगम द्वारा 7वां स्थान हासिल कर सितंबर माह में प्राप्त 816 शिकायतों का 55.15 वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड हासिल किया है। इस प्रकार जहां कटनी पुलिस ने कुल 84.07 वेटेज स्कोर हासिल किया है। वहीं जिला पंचायत ने 84.59 वेटेज स्कोर और नगर निगम ने 93.38 वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड अर्जित किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने इन सभी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगनशीलता को सराहा है।

बिजली के तार चोरी करने पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

हरदा/नवप्रदेश।। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हरदा वृत्त के अंतर्गत ग्राम बरकलां और मनियाखेड़ी के बीच बिजली के तार चोरी करने वाले अज्ञात आरोपित के विरुद्ध थाना टिमरनी में एफ.आई.आर दर्ज कराई गई है। सहायक प्रबंधक हरदा (दक्षिण) श्री अरुण कुमार चंदेल ने बताया कि हरदा (दक्षिण) वितरण केन्द्र के ग्राम बरकलां और मनियाखेड़ी के बीच 13-14 अक्टूबर 2025 को अज्ञात व्यक्ति द्वारा 11 केवी लाइन के 0.63 किमी लंबे एल्यूमिनियम तार चोरी कर लिए गए थे। बड़कला में पदस्थ आउटसोर्स लाइन हेल्पर श्री गोविंद लोमार द्वारा तार चोरी की जानकारी देने पर थाना टिमरनी में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी की एफआईआर दर्ज कराई गई है। थाना टिमरनी द्वारा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 303(2) के अंतर्गत एफ.आई.आर. दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।



न्यूज गैलरी

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान, नीतिगत समर्थन जरूरी

नई दिल्ली। देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात एवं डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के कारण इस्पात आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में भारत के इस्पात आयात में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। आयात वृद्धि से इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन की जरूरत है।स्टील अंडर सीज: अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीपक वाले लेख में कहा गया है, वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल इस्पात आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।भारत ने खपत मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7 फीसदी की वृद्धि रही। वहीं, 2024-25 की दूसरी छमाही में कमी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रक्षापाय शुल्क था। 45% इस्पात दक्षिण कोरिया और चीन समेत कई देशों से भारत आयात करता है। लेख में कहा गया है कि 2022 से घरेलू खपत और उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि दर्ज की गई है।

ऑनलाइन बिक्री अब त्योहारों पर ही निर्भर नहीं, अब पूरे साल खरीदारी

नई दिल्ली। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है। लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। देश में ऑनलाइन खरीद-बिक्री की निर्भरता अब सिर्फ त्योहारी मौसम पर नहीं रह गई है।लोग अब पूरे साल ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं।हालांकि, त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री की रफ्तार बढ़ाने में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की भूमिका अब भी काफी महत्वपूर्ण है। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत का ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में अधिक संतुलित मांग की राह पर बढ़ रहा है। इसके बावजूद मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियां अब भी वार्षिक त्योहारी उछाल पर निर्भर हैं। यानी त्योहारों के दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स ही अब भी बिक्री की रफ्तार तय करते हैं।

उड़ान योजना ने नौ वर्षों में 3.23 लाख फ्लाइट्स के जरिए 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों को दी सुविधा

पहल: 2027 के बाद भी जारी रहेगा विस्तारित ‘उड़ान’ फ्रेमवर्क

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना ने नौ वर्षों में 3.23 लाख उड़ान फ्लाइट्स के माध्यम से 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों को सुविधा प्रदान की। इस योजना के तहत, 649 मार्गों का संचालन शुरू किया गया है, जो 93 अप्रयुक्त और कम सेवा वाले हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, जिनमें 15 हेलीपोर्ट और 2 वॉटर एयरोड्रम शामिल हैं।

इस बीच, एयरलाइन ऑपरेटरों और क्षेत्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर को समर्थन देने के लिए सरकार ने वीजीएफ के रूप में 4,300 करोड़ रुपए से अधिक वितरित किए हैं और क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं (आरसीएस) के तहत हवाई अड्डे के विकास में 4,638 करोड़ रुपए का निवेश किया है।मंत्रालय क्षेत्रीय संपर्क योजना की



9वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत 21 अक्टूबर, 2016 को शुरू की गई उड़ान एक परिवर्तनकारी पहल रही है,

जिसका उद्देश्य आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को किफायती और सुलभ बनाना है।उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27 अप्रैल, 2017 को शिमला और दिल्ली के बीच शुरू की गई

पहली उड़ान ने क्षेत्रीय विमानन संपर्क में एक नए युग की शुरुआत की।सिन्हा ने एक विस्तारित उड़ान फ्रेमवर्क के माध्यम से अप्रैल 2027 के बाद भी इस योजना को जारी रखने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता

की पुष्टि की, जिसमें पहाड़ी, पूर्वोत्तर और आकांक्षी क्षेत्रों के साथ संपर्क और लगभग 120 नए गंतव्यों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।मंत्रालय के अनुसार, हाल ही में की गई एक प्रमुख पहल अगस्त 2024 में सी-प्लेन संचालन के लिए व्यापक दिशानिर्देशों की शुरुआत और सी-प्लेन और हेलीकॉप्टरों के लिए विशेष बोली दौर, उड़ान 5.5 का शुभारंभ है।इस दौर के अंतर्गत, विभिन्न तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों में 30 वॉटर एयरोड्रम को जोड़ने वाले 150 मार्गों के लिए लेंटर ऑफ इंटेंट जारी किए गए हैं।मंत्रालय के अनुसार, उड़ान केवल एक योजना नहीं है; यह परिवर्तन का कैटेरिलिस्ट है और हवाई यात्रा को समावेशी, सस्टेनेबल और हमारी विकास यात्रा का एक अभिन्न अंग बनाने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रिलायंस ने मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई, रूस पर निर्भरता में कमी के संकेत

अमेरिकी दबाव के बीच ऊर्जा रणनीति में बदलाव भारत की वैश्विक तेल बाज़ार में नई भूमिका

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) से कच्चे तेल की अपनी खरीद में भारी बढ़ोतरी की है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी ने पिछले हफ्ते कम से कम 25 लाख बैरल तेल खरीदा है। यह बड़ा बदलाव ऐसे वक़्त में सामने आया है, जब अमेरिका भारत पर रूसी कच्चे तेल के आयात पर अंकुश लगाने के लिए लगातार दबाव बढ़ा रहा है। इस कदम का असर कंपनी के संचालन और भारत की ऊर्जा रणनीति पर पड़ सकता है।



ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से कहा गया है कि मिडिल ईस्ट क्षेत्र में रिलायंस की खरीदारी गतिविधियों में यह उल्लेखनीय वृद्धि है, जिसे रूसी आपूर्ति के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। इस बदलाव का ग्लोबल वरूड ऑयल मार्केट के साथ-साथ भारत की भूमिका पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्राइवेट रिफाइनरी

कंपनी ने इराक के बसरा मीडियम , अल-शाहीन और कतर लैंड से कम से कम 25 लाख बैरल तेल खरीदा है। यह खरीदारी मिडिल ईस्ट कच्चे तेल के लिए रिलायंस के सामान्य खरीद पैटर्न की तुलना में अधिक सक्रियता को दिखाती है।पहले रिलायंस रूसी तेल पर

काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन हाल में मिडिल ईस्ट से बढ़ी यह खरीदारी रणनीति में बदलाव का संकेत दे रही है। रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से कहा गया है कि इन हाज़िर सौदों के अलावा, रिलायंस बड़ी संख्या में रूसी कच्चे तेल जैसी गुणवत्ता वाले क्षेत्र से अन्य तेल की

उपलब्धता के बारे में भी पूछताछ कर रही है। व्यापारियों ने बताया कि हाल ही में हुई खरीदारी में यह तेजी सामान्य से काफी ज्यादा रही है।

गौरतलब है कि अमेरिका बार-बार भारत और चीन पर रूसी तेल नहीं खरीदने को लेकर दबाव बढ़ा रहा है। रूसी तेल खरीदने के कारण अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ भी लगा दिया है। इसी महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें वचन दिया है कि युद्ध समाप्त होने तक भारत माँस्को से तेल की सभी खरीद बंद कर देगा। हालांकि, नई दिल्ली ने ऐसी किसी भी बातचीत से साफ इनकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिफाइनरों ने मोटे तौर पर संकेत दिया है कि वे ओपेक+ उत्पादक (रूस) से खरीद कम करेंगे, लेकिन इसे पूरी तरह बंद नहीं करेंगे।

खुल्ले पैसों का झंझट खत्म 5,10 वाले पैक की वापसी

अब उतनी ही कीमत में मिलेगा ज्यादा सामान

का 5 वाला पैक 4.45 में बिकने लगा और 1 की कैंडी 88 पैसे में मिलने लगी।

इन गैर-राउंड कीमतों की वजह से न तो ग्राहक संतुष्ट थे और न ही दुकानदार। ग्राहकों को छुड़े पैसे लेने या देने में भारी परेशानी होती थी और कई दुकानदार तो फर्क चुकाने के लिए मिठाई या टॉफी थमा देते थे। डिजिटल पेमेंट करने वालों से पूरी रकम ली जाती थी, जिससे असुविधा और बढ़ गई थी।अब सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर कंपनियां सामान का वजन बढ़ाकर पुरानी कीमतों पर उसे बेचती हैं, तो इसे जीएसटी नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। इस स्पष्टीकरण के बाद पारले, बिसलेरी, मोंडेलेज जैसी बड़ी खरखब कंपनियां ने पुराने दामों पर नए पैक की तैयारी शुरू कर दी है। ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने बताया कि अब बिस्कुट और सैंक्स के पैक में 11-12 प्रतिशत तक ज्यादा वजन होगा, लेकिन दाम वही (5, १0) रहेंगे। सैंक्स इंडस्ट्री में तो नया उत्पादन शुरू भी हो चुका है।

भारतीय टेलिविजन पर पहली बार दिखेंगे बिल गेट्स, स्मृति ईरानी के क्योंकि...2% का बने हिस्सा ; प्रोमो हुआ जारी

स्मृति ईरानी की टीवी पर वापसी के बाद से अब शो में एक के बाद एक कई दिवस्ट आ रहे हैं। शो में अब बिजनेसमैन बिल गेट्स नजर आने वाले हैं।भारतीय टीवी के मशहूर शो क्योंकि सास भी कभी बूढ़ थी के नए सीजन में हाल ही में साक्षी तंवर ने कैमियो किया है। अब शो में एक और बड़ा दिवस्ट आ रहा है।

शो में अमेरिकी बिजनेसमैन बिल गेट्स की एंट्री हुई है। मेकर्स ने प्रोमो जारी किया है जिसमें बिल अभिनेत्री स्मृति ईरानी के साथ वीडियो कॉल पर बात करते हुए नजर आ रहे हैं। शो में बिल का कैमियो रहेगा जो एक खास मकसद से लाया जा रहा है।हाल ही में जारी हुए प्रोमो में शो की पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेत्री स्मृति ईरानी को वीडियो कॉल पर दुनिया के सबसे मशहूर



उद्यमी बिल गेट्स से बात करते हुए देखा जा सकता है। यह छोट्टा-सा प्रोमो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। इस वीडियो को देखने के बाद कई लोगों की तरफ से रिएक्शन्स सामने आ रहे हैं।

कपिल शर्मा की फिल्म ‘किस किसको प्यार करूं 2’ के रिलीज डेट का एलान

कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा की आगामी फिल्म ‘किस किसको प्यार करूं 2’ के रिलीज डेट की घोषणा हो चुकी है।मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।



कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, -दोगुने कन्स्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाका सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।रिलीज

डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसर यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं। किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, ध्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य

स्पोर्ट्स डेस्क। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्जे के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया।

विश्वजीत ने कजाकिस्तान के येरासिल ममायरबेकोव को 5-4 से हराया। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्जे के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा



उठाया।तीन महिला पहलवानों को मिली हार भारत की तीन महिला पहलवानों को हालांकि अपने-अपने शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही रिव्यातलाना

कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटरखनी खाने से हार गई। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4-6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़

सकी और चीन की युकी लियू से 3-9 से हार गई। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया। प्रिया मलिक (76 किग्रा) को भी क्वालिफिकेशन

चैंपियंस लीग : आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से रौंदा

लंदन। चैंपियंस लीग में आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से धूल चटाई। विक्टर ग्योकेरेस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। इसी के साथ आर्सेनल ने अपनी शानदार शुरुआत बरकरार रखी है। टीम ने अपने पिछले तीन मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है।एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ मुकाबले में पहला हाफ कड़ा और रणनीतिक रहा, जिसमें दोनों टीमों के लिए कुछ ही स्पष्ट मौके थे, लेकिन कोई गोल नहीं देखने को मिला।ब्रेक के बाद भी यही स्थिति नजर आ रही थी, लेकिन इसी बीच सेंटर-बैक गैब्रियल मैगालहेंस ने 57वें मिनट में डेक्लन राइट के सटीक फ्री-किक को हेडर से गोल में बदलकर मैच का खता खोला।इस गोल के बाद आर्सेनल के खिलाड़ियों ने आक्रामक तेवर दिखाए। माइल्स लुईस-स्केली के



शानदार रन ने गैब्रियल माटिंनेली को दूसरा गोल करने का मौका दिया। माटिंनेली ने मुकाबले के 64वें मिनट गोल दागते हुए आर्सेनल को 2-0 से बढ़त दिलाई।67वें मिनट स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। यह आठ मैचों में उनका आर्सेनल के लिए पहला गोल था।

सिर्फ तीन मिनट बाद ही स्वीडिश फॉरवर्ड ने फिर से गोल किया, इस बार गैब्रियल के एक खतरनाक कॉर्नर से किए गए नॉकडाउन को गोल में

बदलकर मैच में अपना दूसरा गोल दागा। आर्सेनल ने सिर्फ 14 मिनट में चार गोलों की शानदार बौछार कर दी।इससे पहले, एक अन्य मुकाबले में फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक लगाकर बार्सिलोना को ओलंपियाकोस के खिलाफ 6-1 से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।स्पेन के क्लिर के संयमित फिनिश ने मेजबान टीम को हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त दिला दी थी, लेकिन अयूब एल काबी ने ओलंपियाकोस के लिए पेनाल्टी के जरिए जवाबी गोल दागा।

अभिनव बिंद्रा को मिला सम्मान, चुने गए 2026 शीतकालीन ओलंपिक के मशालवाहक

नई दिल्ली। अभिनव बिंद्रा ने इस सम्मान की घोषणा करते हुए अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले साल होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक चुना गया है। यह खेल आयोजन छह से 22 फरवरी 2026 के बीच इटली के मिलान और कॉर्टिना डी'अम्पेजो में होगा।बिंद्रा ने इस सम्मान की घोषणा करते हुए अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, -दोगुने कन्स्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाका सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।रिलीज

सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है। बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने आगे कहा, एक बार फिर से ऐसा मौका मिलना सम्मान की बात है और यह इस बात की खूबसूरत याद दिलाता है कि खेल क्या संभव बनाते हैं। इस अविवशसनीय सम्मान के लिए 'मिलानोकॉर्टिना2026' का धन्यवाद। यह इटली द्वारा आयोजित चौथा शीतकालीन ओलंपिक होगा। इस सत्र में कुल 16 खेलों में 116 पदक स्पर्धाएं होंगी।

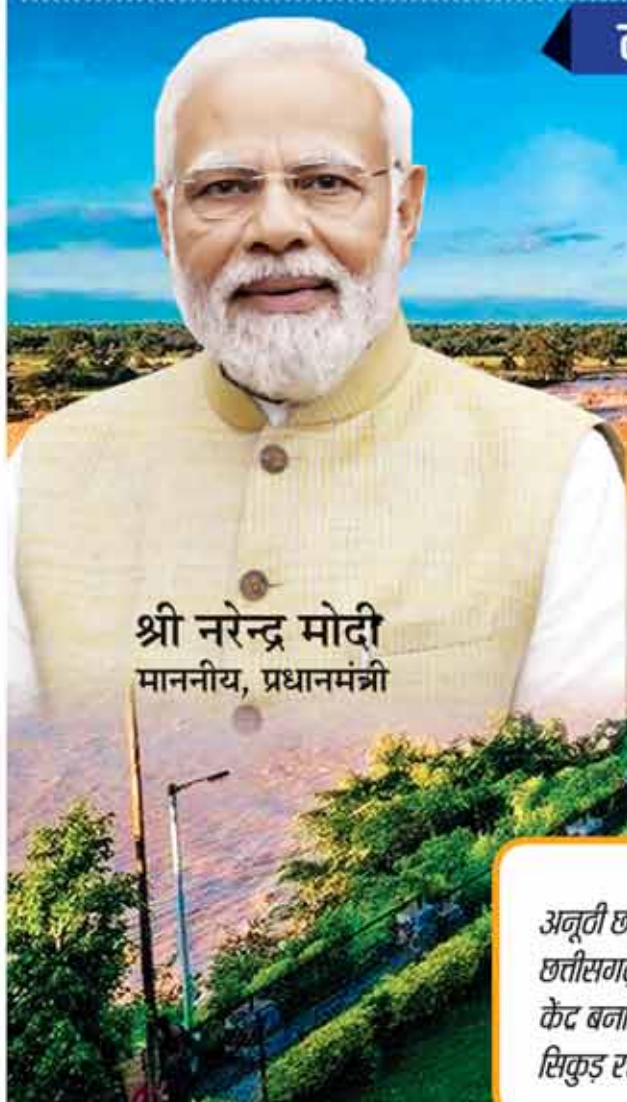




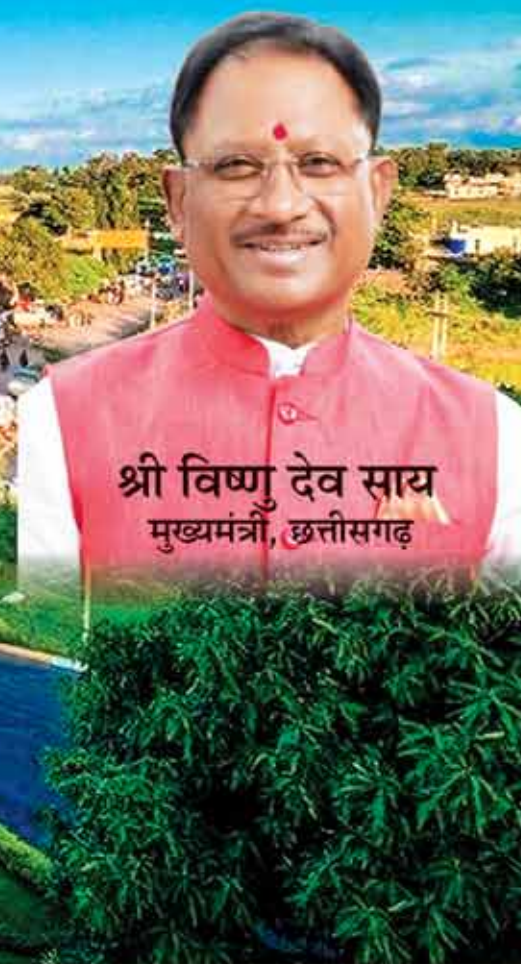
बस्तर: अब समृद्धि की ओर



नई औद्योगिक नीति के साथ निवेश और आर्थिक प्रगति का नया दौर



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय, प्रधानमंत्री



श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बस्तर यह नाम सुनते ही आंखों के सामने घने जंगल, झरनों की गूंज और जनजातीय लोककला की अनूठी छवियां उभर आती हैं। पर अब बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर तक सीमित नहीं रहेगी। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति ने इस क्षेत्र को औद्योगिक निवेश, रोजगार और सामाजिक विश्वास का नया केंद्र बना दिया है। बस्तर की नई पीढ़ी इस बदलाव को महसूस भी कर रही है। माओवादी हिंसा का दायरा तेजी के साथ सिकुड़ रहा है और युवा उत्साह के साथ बाकी दुनिया से कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

संस्कृति और उद्योग का संगम



बस्तर की जनजातीय कला और कारीगरी सदियों से यहां की आत्मा रही है। ढोकरा कला, घड़वा धातु कला, बांस और लकड़ी के सजावटी सामान, वस्त्र और स्थानीय हस्तशिल्प आज भी विश्व में पहचान रखते हैं। नई औद्योगिक नीति ने इन पारंपरिक उत्पादों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल की है। जनजातीय हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देकर उन्हें बस्तर के अपने ब्रांड रूप में स्थापित किया जा रहा है। स्थानीय बुनकरों, शिल्पकारों और महिला कारीगरों को उद्योग स्थापित करने में प्राथमिकता और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

औद्योगिक निवेश और विकास

बस्तर में उद्योगपतियों ने सरकार को 967 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं और सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 52,000 करोड़ रुपये की योजनाएं तैयार की हैं। बस्तर में खनन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण व एमएसएमई क्षेत्र में निवेश हो रहा है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र से सबसे बड़ा निवेश एनएमडीसी की 43,000 करोड़ की परियोजनाएं हैं, रेलवे और सड़क निर्माण में भी निवेश चल रहा है। सरकार

मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन का लक्ष्य लेकर चल रही है जिससे स्थानीय सुरक्षा और निवेश में सुधार हो रहा है। आज बस्तर में निवेश का माहौल पहले से कहीं ज्यादा आसान और पारदर्शी हो गया है। उद्योगियों के लिए इंसेंटिव कैलकुलेटर जैसी व्यवस्था ने लाभ की जानकारी सुलभ बना दी है। उद्योग स्थापित करने पर नक्सल पीड़ित परिवारों को विशेष अनुदान, अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लिए अतिरिक्त 10 प्रतिशत सब्सिडी, आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार देने वाले उद्योगों को 40 प्रतिशत वेतन-सब्सिडी जैसे प्रावधानों से न केवल उद्योग तेजी से बढ़ेंगे, बल्कि बस्तर के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में स्थाई रोजगार मिलेगा। इस प्रकार बस्तर में औद्योगिक निवेश में तेजी आ रही है और यह क्षेत्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है।

पर्यटन-संस्कृति की नई उड़ान



बस्तर को पर्यटन के लिहाज से दुनिया ने हमेशा विशेष माना है। चित्रकोट और तीर्थगढ़ जैसे मनोहारी झरने, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और घने वन इसे और समृद्ध करते हैं। सरकार ने अब पर्यटन को औद्योगिक नीति का हिस्सा बनाकर होमस्टे, ईको-टूरिज्म और सांस्कृतिक महोत्सवों को बढ़ावा दिया है। बस्तर दशहरा को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए बड़े प्रयास किया जा रहे हैं। तीर्थगढ़ जलप्रपात पर ग्लास ब्रिज बनाने की

योजना पर काम चल रहा है। संपूर्ण बस्तर में पर्यटन सर्किट का विकास किया जा रहा है। महत्वपूर्ण यह है, कि इन योजनाओं से सीधे जनजातीय समुदायों को भागीदार बनाया जा रहा है। उनके नृत्य, गीत, त्यौहार और कला को पर्यटन से जोड़कर आय के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। बस्तर का यह बदलाव स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार और उद्यमिता के अवसर देगा। पारंपरिक उत्पादों को आधुनिक तकनीक और मार्केटिंग से जोड़कर इन्हें वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की योजना तैयार है।

हरियाली से समृद्धि की राह



इंद्रावती-महानदी जोड़ो परियोजना एवं बोध घाट सिंचाई परियोजना से बस्तर में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। यह बहुउद्देशीय परियोजना इंद्रावती नदी पर आधारित है और लगभग 50,000 करोड़ रुपये की लागत से दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर सहित बस्तर के कई जिलों के 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में स्थायी सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी। इससे करीब 269 गांवों को सीधे लाभ मिलेगा। परियोजना के तहत नहर नेटवर्क, जलाशय और पम्प हाउस का निर्माण होगा, जिससे किसानों को खरीफ और रबी दोनों मौसमों में जल उपलब्ध होगा, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त, परियोजना से 200 मेगावाट बिजली उत्पादन भी होगा, जो ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करेगा और स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा।

विश्वास और विकास का संगम



नई औद्योगिक नीति केवल निवेश या व्यापार की बात नहीं करती, बल्कि एक ऐसे सामाजिक बदलाव की रूपरेखा है, जिसमें बस्तर का हर वर्ग साझेदार बने। यहां का भविष्य अब नक्सलवाद नहीं, बल्कि हुनर, संस्कृति और उद्योग का मेल तय करेगा। राज्य सरकार माओवाद प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि अब बस्तर के अंदरूनी क्षेत्रों में हिंसा का माहौल खत्म हो चुका है। 'नियद नेल्ला नार' कार्यक्रम के अंतर्गत सुरक्षा बलों के नौ स्थापित 54 कैंपों के आसपास बस से 327 गांव में आधारभूत बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया है और यहां के लोगों को सभी प्रकार की नागरिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। जो लोग कभी हाशिए पर जीवन जी रहे थे, आज वह समाज की मुख्य धारा से जुड़ चुके हैं। बस्तर में शांति स्थापित करने के लिए सरकार वर्ष 2026 के अंत तक यहां नक्सलवाद के समूल खात्मे को लेकर प्रतिबद्ध है। इस अभियान का व्यापक असर भी यहां देखने को मिल रहा है। बड़ी पैमाने पर नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं और बस्तर के विकास में सहभागी भी बन रहे हैं। 'विकास भी, विश्वास भी', यही है बस्तर की नई पहचान। यहां जंगल की हरियाली, लोक कला का रंग और उद्योग की चहल-पहल मिलकर समृद्धि की नई तस्वीर रच रहे हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार क्रांति लगेगी 400 नए बीएसएनएल टावर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरस्थ इलाकों में अब संचार की नई क्रांति आने वाली है। केंद्र सरकार यहां 400 नए बीएसएनएल टावर लगाने जा रही है, जिससे इन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या दूर हो सकेगी।

डिजिटल कनेक्टिविटी से विकास को मिलेगा नया आयाम

26	59	25	33	81	90	66
बस्तर	बीजापुर	दंतेवाड़ा	नारायणपुर	कांकेर	कोडागांव	सुकमा

बस्तर ओलंपिक

बस्तर ओलंपिक को इस वर्ष से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में आयोजित करने की सहमति भी दे दी। इस दौरान लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र छत्तीसगढ़ में स्थापित करने, खेल सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु नए स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इन पहलों को युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।



बस्तर व कोडागांव को स्वर्ण पदक

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आकांक्षी जिलों और विकासखंडों को सम्मानित किया। बस्तर व कोडागांव जिलों सहित छह विकासखंडों को सभी छह संकेतकों में पूर्ण संतुष्टि के लिए स्वर्ण पदक मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की सबसे अधिक आवश्यकता है। रजत, कांस्य और ताम्र पदकों से अन्य जिलों और विकासखंडों को भी नवाजा गया। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत कदम बताया।

उद्योग और निवेश में रिकॉर्ड प्रगति

नई औद्योगिक नीति 2024-30 के क्रियान्वयन के साथ राज्य में औद्योगिक निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवंबर 2024 से जुलाई 2025 के बीच राज्य को 6.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सिंगल विंडो सिस्टम और रोजगार देने वाले उद्योगों को विशेष 7.50 लाख करोड़ रुपये के नवेश उपायों के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।